56

Series : SMA/1

कोड नं.
Code No. **67/1/1**

रोल नं.
Roll No. 9 6 8 9 4 3 9

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **23** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **16** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **23** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer script during this period.

लेखाशास्त्र

ACCOUNTANCY

निर्धारित समय : 3 घण्टे]
Time allowed : 3 hours]

[अधिकतम अंक : 80
[Maximum marks : 80

सामान्य निर्देश :

*(i) यह प्रश्न-पत्र **तीन** भागों में विभक्त है – **क**, **ख** और **ग** ।*

*(ii) भाग **क** सभी छात्रों के लिए **अनिवार्य** है ।*

*(iii) परीक्षार्थियों को शेष भाग **ख** और **ग** में से कोई **एक** भाग हल करना है ।*

(iv) किसी प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिए ।

General Instructions :

*(i) This question paper contains **three** parts A, **B** and C.*

*(ii) Part A is **compulsory** for all candidates.*

*(iii) Candidates can attempt only **one** part of the remaining parts **B** and C.*

*(iv) **All** parts of the questions should be attempted at **one** place.*

भाग – क

PART – A

(अलाभकारी संगठनों, साझेदारी फर्मों तथा कम्पनियों के लिए लेखांकन)

(Accounting for Not-For-Profit Organisations, Partnership Firms and Companies)

1. एक अलाभकारी संगठन द्वारा उपार्जित आधार पर बनाये जाने वाले वित्तीय विवरण का नाम बताइए । 1

   Name the financial statement prepared by a Not-For-Profit Organisation on accrual basis.

2. एक साझेदार द्वारा दी गई सेवाओं के पारिश्रमिक के विषय में भारतीय साझेदारी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख कीजिए । 1

   State the provisions of Indian Partnership Act regarding the payment of remuneration to a partner for the services rendered.

3. अवकाश ग्रहण करते समय एक साझेदार ख्याति के किस अंश का अधिकारी होता है ? 1

   For which share of Goodwill a partner is entitled at the time of his retirement ?

4. एक फर्म के पुनर्गठन के किन्हीं दो अवसरों का उल्लेख कीजिए । 1

   State any two occasions on which a firm can be reconstituted.

5. खुले बाजार से क्रय करके ऋणपत्रों के शोधन का कोई एक लाभ बताइये । 1

   Give any one advantage for the redemption of debentures by purchase in the open market ?

6. निम्नलिखित सूचना से 31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए चन्दे से प्राप्त आय की, आय व्यय खाते में अंकित करने के लिए, गणना कीजिए । 3

वर्ष 2010-2011 में प्राप्त चन्दा	₹ 3,40,000
31-3-2011 को अदत्त चन्दा	₹ 47,000
31-3-2011 को अग्रिम प्राप्त चन्दा	₹ 35,000
1-4-2010 को अदत्त चन्दा	₹ 28,000
1-4-2010 को अग्रिम प्राप्त चन्दा	₹ 25,000

From the following information, calculate the amount of income from subscriptions to be shown in the Income and Expenditure Account for the year ended 31-3-2011 :

Subscriptions received during the year 2010-2011	₹ 3,40,000
Subscriptions outstanding as on 31-3-2011	₹ 47,000
Subscriptions received in advance as on 31-3-2011	₹ 35,000
Subscriptions outstanding as on 1-4-2010	₹ 28,000
Subscriptions received in advance as on 1-4-2010	₹ 25,000

7. जैन लि. ने गुप्ता लि. से ₹ 10,00,000 के भवन का क्रय किया । देय राशि के 10% का भुगतान गुप्ता लि. को एक चैक के द्वारा किया गया । शेष राशि का भुगतान ₹ 10 प्रत्येक के समता अंशों, जिन्हें 10% के बट्टे पर निर्गमित किया गया था, के द्वारा किया गया । 3

जैन लि. की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

Jain Ltd. purchased Building for ₹ 10,00,000 from Gupta Ltd. 10% of the payable amount was paid by a cheque drawn in favour of Gupta Ltd. The balance was paid by issue of Equity Shares of ₹ 10 each at a discount of 10%.

Pass necessary Journal Entries in the books of Jain Ltd.

8. नारायण लक्ष्मी लि. ने ₹ 100 प्रत्येक के 7500, 12% ऋणपत्रों, जिन्हें ₹ 35 प्रत्येक के प्रीमियम पर निर्गमित करना था, के लिए आवेदन आमन्त्रित किए । पूर्ण राशि का भुगतान आवेदन पर करना था । 3

कुल 10,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए । 2500 ऋणपत्रों के लिए आवेदनों को रद्द कर दिया गया तथा आवेदन राशि वापस कर दी गई । शेष आवेदकों को ऋणपत्रों का आबंटन कर दिया गया ।

उपरोक्त लेनदेनों के लिए नारायण लक्ष्मी लि. की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

Narain Laxmi Ltd. invited applications for issuing 7500, 12% Debentures of ₹ 100 each at a premium of ₹ 35 per Debenture. The full amount was payable on application.

Applications were received for 10,000 Debentures. Applications for 2500 Debentures were rejected and the application money was refunded. Debentures were allotted to the remaining applicants.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of Narain Laxmi Ltd.

9. अरुण तथा अरोड़ा एक फर्म में साझेदार थे जो 5 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । 1.4.2010 को उनकी स्थायी पूँजी निम्न प्रकार थी : अरुण ₹ 60,000 तथा अरोड़ा ₹ 80,000 । उन्होंने पूँजी पर 12% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने तथा आहरणों पर 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगाने का निर्णय किया । 31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए उपरोक्त सभी समायोजनों से पूर्व फर्म का लाभ ₹ 12,600 था । वर्ष के दौरान अरूण के आहरण ₹ 2,000 तथा अरोड़ा के ₹ 4,000 थे । अरुण तथा अरोड़ा का लाभ हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए तथा अपनी गणनाओं को स्पष्ट दर्शाइए । फर्म में हानि होने की दशा में भी पूँजी पर ब्याज दिया जाएगा । 4

Arun and Arora were partners in a firm sharing profits in the ratio of 5 : 3. Their fixed capitals on 1-4-2010 were : Arun ₹ 60,000 and Arora ₹ 80,000. They agreed to allow interest on capital @ 12% p.a. and to charge on drawings @ 15% p.a. The profit of the firm for the year ended 31-3-2011 before all above adjustments were ₹ 12,600. The drawings made by Arun were ₹ 2,000 and by Arora ₹ 4,000 during the year. Prepare Profit and Loss Appropriation Account of Arun and Arora. Show your calculations clearly. The interest on capital will be allowed even if the firm incurs loss.

10. अर्जुन, भीम तथा नकुल साझेदार हैं जो लाभों को क्रमश: 14 : 5 : 6 के अनुपात में विभाजित करते हैं । भीम अवकाश ग्रहण करता है तथा अपना लाभ अंश $\frac{5}{25}$ अर्जुन के पक्ष में त्यागता है । ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ के 2 वर्ष के क्रय के बराबर पर किया जाता है जिसकी गणना पिछले तीन सालों के औसत लाभ पर की जाती है । पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमश ₹ 50,000, ₹ 55,000 तथा ₹ 60,000 हैं । समान रूप की अन्य फर्मों का सामान्य लाभ ₹ 30,000 वार्षिक है । फर्म की पुस्तकों में ख्याति का मूल्य पहले से ही ₹ 75,000 अंकित है । भीम के अवकाश प्राप्त कर लेने के बाद फर्म का प्रथम वर्ष का लाभ ₹ 1,00,000 है । अपनी गणनाओं को दिखलाते हुए फर्म की पुस्तकों में ख्याति के समायोजन तथा लाभ वितरण की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । 4

Arjun, Bhim and Nakul are partners sharing profits & losses in the ratio of 14 : 5 : 6 respectively. Bhim retires and surrenders his 5/25th share in favour of Arjun. The goodwill of the firm is valued at 2 years purchase of super profits based on average profits of last 3 years. The profits for the last 3 years are ₹ 50,000, ₹ 55,000 & ₹ 60,000 respectively. The normal profits for the similar firm are ₹ 30,000. Goodwill already appears in the books of the firm at ₹ 75,000. The profit for the first year after Bhim's retirement was ₹ 1,00,000. Give the necessary Journal Entries to adjust Goodwill and distribute profits showing your workings.

11. शक्ति लि. ने अपने ₹ 100 प्रत्येक के 750, 12% ऋणपत्रों के शोधन का निर्णय लिया । कम्पनी ने 500 ऋणपत्रों का क्रय ₹ 94 प्रति ऋणपत्र की दर से खुले बाज़ार से किया । शेष ऋणपत्रों का शोधन लाभ में से किया गया । कम्पनी ने ऋण पत्र शोधन कोष का आयोजन अपनी पुस्तकों में पूर्ववत ही किया हुआ है ।

उपरोक्त लेनदेनों के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए । 4

Shakti Ltd decided to redeem its 750, 12% Debentures of ₹ 100 each. The company purchased 500 Debentures at ₹ 94 per Debenture from the open market. The remaining debentures were redeemed out of profits. The company had already made a provision for Debenture Redemption Reserve in its books.

Pass necessary Journal Entries in the books of the company for the above transactions.

12. निम्नलिखित लेनदेनों के लिए सुदर्शन लि. की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए :

(i) ₹ 75 प्रत्येक के 750, 12% ऋणपत्रों का शोधन ₹ 100 प्रत्येक के समता अंशों में परिवर्तित करके किया गया । समता अंशों को 10% के बट्टे पर निर्गमित किया गया था ।

(ii) ₹ 1,000 प्रत्येक के 550, 12% ऋणपत्रों को नये ₹ 100 प्रत्येक के 13% ऋणपत्रों में परिवर्तित किया । नये ऋणपत्रों को 10% के अधिलाभ पर निर्गमित किया गया । 6

Pass necessary Journal Entries for the following transactions in the books of Sudarshan Ltd.

(i) Redeemed 750, 12% Debentures of ₹ 75 each by converting into Equity Shares of ₹ 100 each. The Equity Shares were issued at a discount of 10%.

(ii) Converted 550, 12% Debentures of ₹ 1,000 each into New 13% Debentures of ₹ 100 each. The New Debentures were issued at a premium of 10%.

13. वर्मा तथा शर्मा साझेदार थे तथा 3 : 1 के अनुपात में लाभ बांटते थे । 31-3-2011 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार था : 6

31-3-2011 को वर्मा तथा शर्मा का स्थिति विवरण

देयताएँ		राशि ₹	सम्पत्तियाँ	राशि ₹
पूँजी :			भूमि तथा भवन	70,000
वर्मा	1,20,000		मशीनरी	60,000
शर्मा	80,000	2,00,000	देनदार	80,000
लेनदार		70,000	बैंक	60,000
		2,70,000		**2,70,000**

1-4-2011 को फर्म का समापन हो गया, तथा सम्पत्तियों एवं देनदारियों का निस्तारण निम्नानुसार हुआ :

(i) ₹ 50,000 के लेनदारों ने भूमि तथा भवन को अपने दावे के पूर्ण निपटारे हेतु ले लिया ।

(ii) शेष लेनदारों का भुगतान नकद किया गया ।

(iii) मशीनरी को 30% के मूल्यह्रास पर बेचा गया ।

(iv) देनदारों से ₹ 500 की लागत पर वसूली की गई ।

(v) वसूली व्यय ₹ 1,700 थे ।

फर्म के समापन के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

Verma and Sharma were partners sharing profits in the ratio of 3 : 1. On 31-3-2011 their Balance Sheet was as follows :

Balance Sheet of Verma and Sharma as on 31-3-2011

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals :			Land and Building	70,000
Verma	1,20,000		Machinery	60,000
Sharma	80,000	2,00,000	Debtors	80,000
Creditors		70,000	Bank	60,000
		2,70,000		**2,70,000**

The firm was dissolved on 1-4-2011 and the Assets and Liabilities were settled as follows :

(i) Creditors of ₹ 50,000 took over Land and Building in full settlement of their claim.

(ii) Remaining Creditors were paid in cash.

(iii) Machinery was sold at a depreciation of 30%.

(iv) Debtors were collected at a cost of ₹ 500.

(v) Expenses of realization were ₹ 1,700.

Pass necessary Journal Entries for dissolution of the firm.

14. 31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए 'ग्रीन दिल्ली क्लब' के निम्नलिखित 'प्राप्ति एवं भुगतान खाते' से 'आय तथा व्यय खाता' तैयार कीजिए : 6

31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए 'ग्रीन दिल्ली क्लब' का प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम जमा

प्राप्तियाँ	राशि ₹	भुगतान	राशि ₹
शेष पीछे से लाए	13,200	वेतन (11 महीने का भुगतान)	2,200
चन्दा	25,500	किराया	800
प्रवेश शुल्क	2,000		
दान (भवन के लिए ₹ 1,000 सम्मिलित)	3,000	बिजली	3,500
हाल का किराया	2,500	कर	2,600
निवेशों का विक्रय (पुस्तक मूल्य ₹ 4,000)	3,500	प्रिंटींग तथा स्टेशनरी	800
		पुस्तक	10,000
		9% स्थायी जमा शेष (31-1-2011)	13,000
		शेष आगे ले गये	16,800
	49,700		**49,700**

From the following 'Receipt and Payments Account' of 'Green Delhi Club' for the year ended 31-3-2011, prepare 'Income and Expenditure Account'.

Receipts and Payments Account of 'Green Delhi Club' for the year ended 31-3-2011.

Dr. **Cr.**

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	13,200	By Salary (paid for 11 months)	2,200
To Subscriptions	25,500	By Rent	800
To Entrance Fee	2,000		
To Donations (includes ₹ 1,000 for Buildings)	3,000	By Electricity	3,500
To Hall Rent	2,500	By Taxes	2,600
To Sale of Investments (Book value ₹ 4,000)	3,500	By Printing and Stationery	800
		By Books	10,000
		By 9% Fixed Deposits (on 31-1-2011)	13,000
		By Balance c/d	16,800
	49,700		**49,700**

15. 'ख' तथा 'ग' साझेदार थे तथा 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते थे । 31-3-2011 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार था : 8

31 मार्च 2011 को 'ख' तथा 'ग' का स्थिति विवरण

देयताएँ	राशि ₹	सम्पत्तियाँ	राशि ₹
पूँजी :		भूमि तथा भवन	80,000
'ख' 60,000		मशीनरी	20,000
'ग' 40,000	1,00,000	फर्नीचर	10,000
डूबत ऋणों के लिए प्रावधान	1,000	देनदार	25,000
लेनदार	60,000	रोकड़	16,000
		लाभ-हानि खाता	10,000
	1,61,000		**1,61,000**

'घ' को निम्नलिखित शर्तों के आधार पर लाभ के $\frac{1}{5}$ भाग के लिए एक नया साझेदार बनाया गया :

(i) लाभ विभाजन का नया अनुपात 2 : 2 : 1 निश्चित किया गया ।

(ii) 'घ' ₹ 30,000 अपनी पूँजी के लिए लायेगा तथा ₹ 15,000 ख्याति के अपने भाग के लिए लायेगा ।

(iii) उसमें से ख्याति का आधा भाग उस साझेदार ने निकाल लिया जिसने अपने लाभ के भाग का त्याग 'घ' के पक्ष में किया था ।

(iv) देनदारों पर डूबत तथा संदिग्ध ऋणपत्रों के लिए 5% का प्रावधान करना था ।

(v) लेनदारों में सम्मिलित ₹ 500 की एक मद का भुगतान नहीं करना था ।

(vi) फर्म के विरुद्ध ₹ 800 के एक क्षति के दावे के लिए प्रावधान करना था ।

उपरोक्त समायोजनों के पश्चात 'ख' तथा 'ग' के पूँजी खातों का समायोजन 'घ' की पूँजी के आधार पर करना था, इसके लिए परिस्थिति अनुसार रोकड़ लाई जायेगी अथवा उसका भुगतान किया जायेगा ।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए ।

अथवा

'जी', 'ई' तथा 'एफ' एक फर्म में साझेदार थे जो लाभों को 7:2:1 के अनुपात में विभाजित करते थे। 31 मार्च, 2011 को फर्म का स्थिति विवरण निम्नानुसार था :

31 मार्च 2011 को 'जी', 'ई' तथा 'एफ' का स्थिति-विवरण

देनदारियाँ		राशि ₹	सम्पत्तियाँ	राशि ₹
पूँजी :			ख्याति	40,000
'जी'	70,000		भूमि तथा भवन	60,000
'ई'	20,000		मशीनरी	40,000
'एफ'	10,000	1,00,000	स्टॉक	7,000
सामान्य संचय		20,000	देनदार	12,000
'ई' का ऋण		30,000	रोकड़	5,000
लेनदार		14,000		
		1,64,000		**1,64,000**

24 अगस्त 2011 को 'ई' की मृत्यु हो गई । किसी भी साझेदार की मृत्यु पर उसकी पूँजी सहित अन्य सभी दावों के निपटान के लिए साझेदारी संलेख में निम्नलिखित प्रावधान दिये हुए हैं :

(i) मृतक साझेदार की मृत्यु के दिन तक उसके लाभ के अंश की गणना पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर की जायेगी जो ₹ 80,000 था ।

(ii) सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन तथा देनदारियों के पुन: निर्धारण में मृतक साझेदार के लाभ हानि का अंश, जो निम्नानुसार है :

भूमि तथा भवन का पुनर्मूल्यांकन ₹ 94,000, मशीनरी का ₹ 38,000 तथा स्टॉक का ₹ 5,000 किया गया । संदिग्ध ऋणों के लिए देनदारों पर $2\frac{1}{2}\%$ का आयोजन किया गया ।

(iii) निवल धनराशि जो 'ई' के निष्पादक को देय थी, उसके ऋण खाते में स्थानान्तरित कर दी गई, जिसका भुगतान बाद में किया जाएगा ।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, 'ई' के उत्तराधिकारी का खाता तथा 'जी' एवं 'एफ' का स्थिति विवरण तैयार कीजिए जिन्होंने अपने पूँजी खातों को नए लाभ अनुपात में रखते हुए व्यवसाय को चालू रखने का निश्चय किया है । किसी भी आधिक्य या कमी को साझेदारों के चालू खातों में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा ।

'B' and 'C' were partners sharing profits in the ratio of 3 : 2. Their Balance Sheet as on 31-3-2011 was as follows :

Balance Sheet of B and C as on 31-3-2011

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals :		Land and Building	80,000
'B' 60,000		Machinery	20,000
'C' 40,000	1,00,000	Furniture	10,000
Provision for bad debts	1,000	Debtors	25,000
Creditors	60,000	Cash	16,000
		Profit and Loss Account	10,000
	1,61,000		**1,61,000**

'D' was admitted to the partnership for $1/5^{th}$ share in the profits on the following terms :

(i) The new profit sharing ratio was decided as 2 : 2 : 1.

(ii) D will bring ₹ 30,000 as his capital and ₹ 15,000 for his share of goodwill.

(iii) Half of goodwill amount was withdrawn by the partner who sacrificed his share of profit in favour of 'D'.

(iv) A provision of 5% for bad and doubtful debts was to be maintained.

(v) An item of ₹ 500 included in Sundry Creditors was not likely to be paid.

(vi) A provision of ₹ 800 was to be made for claims for damages against the firm.

After making the above adjustments the Capital Accounts of 'B' and 'C' were to be adjusted on the basis of D's Capital. Actual cash was to be brought in or to be paid off as the case may be.

Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts and Balance Sheet of the new firm.

OR

'G', 'E' and 'F' were partners in a firm sharing profits in the ratio of 7 : 2 : 1. The Balance Sheet of the firm as on 31st March, 2011 was as follows :

Balance Sheet of 'G', 'E' and 'F' as on 31st March, 2011

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals :			Goodwill	40,000
'G'	70,000		Land & Buildings	60,000
'E'	20,000		Machinery	40,000
'F'	10,000	1,00,000	Stock	7,000
General Reserve		20,000	Debtors	12,000
Loan from 'E'		30,000	Cash	5,000
Creditors		14,000		
		1,64,000		1,64,000

'E' died on 24th August 2011. Partnership deed provides for the settlement of claims on the death of a partner in addition to his capital as under :

(i) The share of profit of deceased partner to be computed upto the date of death on the basis of average profits of the past three years which was ₹ 80,000.

(ii) His share in profit/loss on revaluation of assets and re-assessment of liabilities which were as follows :

Land and Buildings were revalued at ₹ 94,000, Machinery at ₹ 38,000 and Stock at ₹ 5,000. A provision of $2\frac{1}{2}$% was to be created on debtors for bad and doubtful debts.

(iii) The net amount payable to 'E's executors was transferred to his Loan Account, to be paid later on.

Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts, E's Executor A/c. and Balance Sheet of 'G' and 'F' who decided to continue the business keeping their capital balances in their new profit sharing ratio. Any surplus or deficit to be transferred to current accounts of the partners.

16. श्याम लि. ने ₹ 10 प्रत्येक के 80,000 समता अंशों के निर्गमन के लिए आवेदन आमन्त्रित किये । इन अंशों को ₹ 40 प्रति अंश के प्रीमियम पर निर्गमित करना था । राशि का भुगतान निम्न प्रकार से करना था : **8**

आवेदन पर ₹ 35 प्रति अंश (₹ 30 प्रीमियम सम्मिलित)

आबंटन पर ₹ 8 प्रति अंश (₹ 4 प्रीमियम सम्मिलित)

प्रथम एवं अन्तिम याचना पर – शेष

77,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए । सभी आवेदकों को अंशों का आबंटन कर दिया गया । सुन्दरम, जिसे 7,000 अंशों का आबंटन किया गया था, ने आबंटन राशि का भुगतान नहीं किया । आबंटन के तुरन्त पश्चात् उसके अंशों को जब्त कर लिया गया । तत्पश्चात् प्रथम एवं अन्तिम याचना माँगी गई । सत्यम, जिसके पास 500 अंश थे, ने प्रथम एवं अन्तिम याचना का भुगतान नहीं किया । उसके अंशों को भी जब्त कर लिया गया । जब्त किये गये अंशों में से 1,000 अंशों का ₹ 50 प्रति अंश की दर से पूर्ण प्रदत्त पुन: निर्गमन कर दिया गया । पुन: निर्गमित किये गये अंशों में सत्यम के सभी अंश सम्मिलित थे ।

श्याम लि. की पुस्तकों में उपरोक्त लेनदेनों के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

अथवा

जैन लि. ने ₹ 10 प्रत्येक के 35,000 समता अंशों को 10% के बट्टे पर निर्गमित करने के लिए आवेदन आमन्त्रित किए । राशि का भुगतान निम्न प्रकार से करना था :

आवेदन पर ₹ 5 प्रति अंश

आबंटन पर ₹ 3 प्रति अंश

प्रथम तथा अन्तिम याचना पर – शेष

50,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए । 8,000 अंशों के लिए आवेदनों को रद्द कर दिया गया तथा इन आवेदकों की आवेदन राशि वापस कर दी गई । शेष आवेदकों को अंशों का आबंटन आनुपातिक आधार पर किया गया तथा इन आवेदकों से आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का समायोजन आबंटन पर देय राशि में कर लिया गया । जीवन ने 600 अंशों के लिए आवेदन किया था । उसने आबंटन राशि तथा प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि का भुगतान नहीं किया । नवीन, जो 400 अंशों का धारक था, ने प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि का भुगतान नहीं किया । जीवन तथा नवीन के अंशों को जब्त कर लिया गया । जब्त किये गये अंशों में से 800 अंशों को ₹ 15 प्रति अंश पूर्ण प्रदत्त पुन: निर्गमित कर दिया गया ।

पुन: निर्गमित किये गये अंशों में नवीन के सभी अंश सम्मिलित थे । उपरोक्त लेनदेनों के लिए जैन लि. की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

Shyam Ltd invited applications for issuing 80,000 Equity Shares of ₹ 10 each at a premium of ₹ 40 per share. The amount was payable as follows :

On Application ₹ 35 per share (including ₹ 30 Premium) 5 + 30 (P)

On Allotment ₹ 8 per share (including ₹ 4 Premium) 4 + 4 (P)

On First and Final Call – Balance 1 + 6(P)

Applications for 77,000 shares were received. Shares were allotted to all the applicants. Sundram to whom 7,000 shares were allotted failed to pay the allotment money. His shares were forfeited immediately after allotment. Afterwards the first and final call was made. Satyam the holder of 500 shares failed to pay the first and final call. His shares were also forfeited. Out of the forfeited shares 1,000 shares were re-issued at ₹ 50 per share fully paid up. The re-issued shares included all the shares of Satyam.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of Shyam Ltd.

OR

Jain Ltd. invited applications for issuing 35,000 Equity Shares of ₹ 10 each at a discount of 10%. The amount was payable as follows :

On Application ₹ 5 per share.

On Allotment ₹ 3 per share

On First and Final Call – Balance

Applications for 50,000 shares were received. Applications for 8,000 shares were rejected and the application money of these applicants was refunded. Shares were allotted on pro-rata basis to the remaining applicants and the excess money received with applications from these applicants was adjusted towards sums due on allotment. Jeevan who had applied for 600 shares failed to pay allotment and first and final call money. Naveen the holder of 400 shares failed to pay first and final call money. Shares of Jeevan and Naveen were forfeited. Of the forfeited 800 shares were re-issued at ₹ 15 per share fully paid up. The re-issued shares included all the shares of Naveen.

Pass necessary Journal Entries for the above transactions in the books of Jain Ltd.

भाग – ख

PART – B

(वित्तीय विवरणों का विश्लेषण)

(Financial Statements Analysis)

17. ऋणदाताओं के लिए वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के महत्त्व का उल्लेख कीजिए । 1

State the significance of Analysis of Financial Statements to the 'Lenders'.

18. 'रोकड़ प्रवाह विवरण' बनाने का उद्देश्य बताइये । 1

State the purpose of preparing a 'Cash Flow Statement'.

19. 'एक निवेशक कम्पनी द्वारा ऋणपत्रों के अधिग्रहण के लिए नगद भुगतान' को रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय किस प्रकार की गतिविधि कहा जायेगा ? 1

While preparing Cash Flow Statement what type of activity is, 'Payment of Cash to acquire Debentures by an Investment company' ?

20. ओ.एम. लि. का चालू अनुपात 3.5 : 1 तथा तरलता अनुपात 2 : 1 है । यदि स्टॉक द्वारा प्रतिनिधित्व की जानेवाली चालू सम्पत्तियों तथा तरल सम्पत्तियों का अन्तर ₹ 1,50,000 है तो चालू सम्पत्तियों तथा चालू देयताओं की गणना कीजिए । 3

O.M. Ltd. has a Current Ratio of 3.5 : 1 and Quick Ratio of 2 : 1. If the excess of Current Assets over Quick Assets as represented by Stock is ₹ 1,50,000, calculate Current Assets and Current Liabilities.

21. निम्नलिखित सूचना से निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अनुपातों की गणना कीजिए : 4

(क) ऋण-समता अनुपात

(ख) कार्यशील पूँजी आवर्त अनुपात तथा

(ग) निवेश पर प्रत्याय

सूचना : समता अंश पूँजी ₹ 50,000 ; सामान्य संचय ₹ 5,000 ; लाभ-हानि खाता ब्याज एवं कर के भुगतान के बाद ₹ 15,000 ; 9% ऋणपत्र ₹ 20,000 ; लेनदार ₹ 15,000 ; भूमि तथा भवन ₹ 65,000 संयन्त्र ₹ 15,000 ; देनदार ₹ 14,500 तथा रोकड़ ₹ 5,500 ; अंशों के निर्गमन पर बट्टा ₹ 5,000 ।

31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए विक्रय ₹ 1,50,000 था, कर दर 50% ।

From the following information, calculate any **two** of the following ratios :

(a) Debt-Equity Ratio

(b) Working Capital Turnover Ratio and

(c) Return on Investment

Information : Equity Share Capital ₹ 50,000, General Reserve ₹ 5,000; Profit and Loss Account after tax and interest ₹ 15,000; 9% Debentures ₹ 20,000; Creditors ₹ 15,000; Land and Building ₹ 65,000; Equipments ₹ 15,000; Debtors ₹ 14,500 and Cash ₹ 5,500. Discount on issue of shares ₹ 5,000.

Sales for the year ended 31-3-2011 was ₹ 1,50,000. Tax rate 50%.

22. 31-3-2011 को राज लि. का आय विवरण निम्न प्रकार था : 4

K 3

विवरण	राशि ₹
आय :	
विक्रय	2,00,000
अन्य आय	15,000
कुल आय	2,15,000
व्यय :	
बेचे गये माल की लागत	1,10,000
प्रचालन व्यय	5,000
कुल व्यय	1,15,000
कर	40,000

31-3-2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राज लि. का सामान्य आकार का आय विवरण तैयार कीजिए ।

Following is the Income Statement of Raj Ltd. for the year ended 31-3-2011 :

Particulars	Amount ₹
Income :	
Sales	2,00,000
Other Incomes	15,000
Total Income	2,15,000
Expenses :	
Cost of goods sold	1,10,000
Operating expenses	5,000
Total Expenses	1,15,000
Tax	40,000

Prepare a common size Income Statement of Raj Ltd. for the year ended 31-3-2011.

23. 31-3-2010 तथा 31-3-2011 को सोनम लि. के निम्नलिखित स्थिति विवरणों से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए : 6

देयताएँ	31-3-2010 ₹	31-3-2011 ₹	सम्पत्तियाँ	31-3-2010 ₹	31-3-2011 ₹
समता अंश पूँजी	1,00,000	1,50,000	एकस्व	12,500	11,250
			भवन	1,50,000	1,50,000
लाभ-हानि खाता	25,000	50,000	निवेश	–	18,750
			देनदार	50,000	63,750
बैंक ऋण	50,000	25,000	स्टॉक	2,500	3,750
प्रस्तावित लाभांश	20,000	15,000	रोकड़	5,000	21,250
कर प्रावधान	10,000	17,500			
लेनदार	15,000	11,250			
	2,20,000	**2,68,750**		**2,20,000**	**2,68,750**

अतिरिक्त सूचना :

वर्ष में ₹ 50,000 पुस्तक मूल्य के भवन का विक्रय ₹ 2,000 की हानि पर किया गया तथा भवन पर ₹ 4,000 का मूल्य ह्रास लगाया गया ।

From the following Balance Sheets of Sonam Ltd as on 31-3-2010 and 31-3-2011 prepare a Cash Flow Statement :

Liabilities	31-3-2010 ₹	31-3-2011 ₹	Assets	31-3-2010 ₹	31-3-2011 ₹
Equity Share Capital	1,00,000	1,50,000	Patents	12,500	11,250
			Building	1,50,000	1,50,000
Profit & Loss Account	25,000	50,000	Investments	–	18,750
			Debtors	50,000	63,750
Bank Loan	50,000	25,000	Stock	2,500	3,750
Proposed Dividend	20,000	15,000	Cash	5,000	21,250
Provision for tax	10,000	17,500			
Creditors	15,000	11,250			
	2,20,000	**2,68,750**		**2,20,000**	**2,68,750**

Additional Information :

During the year a Building having book value ₹ 50,000 was sold at a loss of ₹ 2,000 and depreciation charged on Building was ₹ 4,000.

भाग – ग

PART – C

(Computerised Accounting)

(अभिकलित्र लेखांकन)

17. कम्प्यूटर का प्रचलन व्यवसाय की कैसे सहायता करता है ? 1

How does the usage of computers help the business ?

18. किसी खाते को आबंटित कोड में प्रथम अंक का क्या अभिप्राय है ? 1

What is meant by the first digit in the 'code' allotted to an 'Account' ?

19. # अकृत (नल) अशुद्धि क्या है ? 1

What is #Null Error ?

20. अभिकलित्र लेखांकन सोफ्टवेयर के किन्हीं तीन लक्षणों को समझाइए । 3

Explain any three features of Computerized Accounting Software.

21. डी बी एम एस क्या है ? इसके तीन गुणों को समझाइए । 4

What is DBMS ? Explain its three advantages.

22. माइक्रोसोफ्ट ऐसैस में कर्मचारियों के दैनिक भत्ते की गणना करने के लिए क्वैरी के चरणों को लिखिए । 4

Write the steps of a query to compute D.A. for employees in Microsoft Access.

23. (क) निम्नलिखित सूचना से यात्रा-भत्ता की राशि की गणना करने के लिए एक्सेल पर फार्मूले की गणना कीजिए । 2 + 4 = 6

₹ 12,000 के मूल वेतन तक 10% की दर से ₹ 12,000 से अधिक की राशि पर 20% की दर से (मूल वेतन सी-2 में प्रक्षेपित)

(ख) एक्सैल के उस वित्तीय कार्य का नाम बताते हुए समझाइए जिसका उपयोग एक ऐसी प्रतिभूति के उपार्जित ब्याज की गणना के लिए किया जाता है जो आवधिक ब्याज देती है ।

(a) Calculate the formula from the following information on Excel for computing the amount of conveyance allowance. Basic salary upto to ₹ 12,000, @ 10%, for more than ₹ 12,000 @ 20%. (Basic salary is projected in C_2)

(b) Name and explain the financial function of Excel which is used to calculate accrued interest for a security that pays periodic interest.